vinetur

हॉचुल ने ट्रंप प्रशासन के दौर के टैरिफ से प्रभावित न्यूयॉर्क के किसानों के लिए 23 मिलियन डॉलर की सहायता की घोषणा की

राज्य के अनुसार, सेब, डेयरी और वाइन अंगूर उत्पादकों को दर्ज निर्यात नुकसान के आधार पर भुगतान मिलेगा

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



सोमवार, 23 नवंबर को गवर्नर कैथी हॉचुल ने राज्य की एक नई योजना की घोषणा की। इसके तहत न्यूयॉर्क के उन किसानों को 23 मिलियन डॉलर तक की प्रत्यक्ष राहत दी जाएगी, जिन्हें राज्य के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के दौरान लगाए गए टैरिफ से भारी नुकसान हुआ।

गवर्नर कार्यालय के अनुसार, इस सहायता का उद्देश्य कृषि निर्यात और किसानों की आय को हुए नुकसान की भरपाई करना और संघीय सरकार द्वारा व्यापार नीति की समीक्षा किए जाने के दौरान कृषि अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद करना है। राज्य ने कहा कि यह राशि उन उत्पादकों को दी जाएगी, जिनकी फसलें और कारोबार टैरिफ से जुड़ी बाजार की

उथल-पुथल से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए।

योजना के तहत, भुगतान फसल के नुकसान और आर्थिक प्रभाव के आधार पर बांटे जाएंगे, जिन्हें New York State Department of Agriculture and Markets ने दर्ज किया है। घोषणा के मुताबिक, पात्र उत्पादकों में उन वस्तुओं के उत्पादक शामिल हैं जिन्हें खास तौर पर भारी नुकसान हुआ, जैसे सेब, डेयरी और वाइन अंगूर।

हॉचुल ने कहा कि राज्य इसलिए मदद के लिए आगे आया, क्योंकि किसान ऐसे व्यापार संघर्ष में फंस गए थे जिसे उन्होंने शुरू नहीं किया था। उन्होंने घोषणा में कहा, "न्यूयॉर्क के किसान उस व्यापार युद्ध की अग्रिम पंक्ति में रहे हैं, जिसे उन्होंने शुरू नहीं किया था। यह वित्तीय सहायता उनका बोझ कम करने में मदद करेगी और सुनिश्चित करेगी कि हमारे किसान राज्य की अर्थव्यवस्था और खाद्य आपूर्ति में योगदान देते रहें।"

गवर्नर कार्यालय ने इस योजना को निर्यात बाजारों और पूरे न्यूयॉर्क में किसानों की आजीविका पर टैरिफ के असर के प्रति सीधे कदम के रूप में पेश किया। उसने कहा कि इस पहल का मकसद सिर्फ अलग-अलग उत्पादकों की मदद करना नहीं, बल्कि व्यापक कृषि अर्थव्यवस्था की रक्षा करना भी है। यह ऐसे समय में किया जा रहा है, जब कई कृषि कारोबार अब भी बिक्री के रास्ते छिन जाने और मांग में अस्थिरता से जूझ रहे हैं।

वाइन अंगूरों को राहत योजना में शामिल किए जाने से न्यूयॉर्क की पेय आपूर्ति शृंखला का एक हिस्सा भी इसके दायरे में आ गया है। इसका महत्व खेती से आगे तक है, क्योंकि व्यापारिक बाधाएं उन वाइनरी पर भी दबाव डाल सकती हैं जो अंगूर उत्पादकों और तैयार उत्पादों के निर्यात बाजारों पर निर्भर हैं। प्रत्यक्ष भुगतान भले ही खेत तक पहुंचे, लेकिन विदेशों में बिक्री में आई रुकावटें वाइन उत्पादन, वितरण और उन क्षेत्रों में रोजगार पर असर डाल सकती हैं, जहां पेय उद्योग का कृषि से गहरा संबंध है।

घोषणा में इस योजना को संघीय व्यापार कार्रवाई के दीर्घकालिक विकल्प के रूप में पेश नहीं किया गया। इसके बजाय, राज्य ने इसे उस अवधि के लिए अंतरिम उपाय बताया, जब तक वॉशिंगटन उन व्यापार नीतियों पर फिर से विचार करता है, जिनसे न्यूयॉर्क के अधिकारियों के अनुसार स्थानीय उत्पादकों को नुकसान पहुंचा। यह हॉचुल प्रशासन के व्यापक रुख को दर्शाता है कि राज्य की सहायता तत्काल चोट को कम कर सकती है, लेकिन बाजार की मूल समस्या से निपटने के लिए संघीय नीति में बदलाव अब भी जरूरी हैं।

गवर्नर कार्यालय ने कहा कि कृषि उद्योग के प्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं ने इस कदम का समर्थन किया और इसे जारी अनिश्चितता के बीच समयोचित प्रतिक्रिया माना। राज्य ने किसी एक वस्तु को योजना का एकमात्र लक्ष्य नहीं बताया। इसके बजाय, राहत को कृषि के उन कई क्षेत्रों की मदद के व्यापक प्रयास का हिस्सा बताया गया, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार की परिस्थितियों में अचानक आए बदलावों से प्रभावित हुए।

दर्ज नुकसान के आधार पर सहायता देकर राज्य इस राशि को कृषि क्षेत्र में समान रूप से बांटने के बजाय, उसे मापे जा सकने वाले नुकसान से जोड़ने की कोशिश कर रहा है। इस तरीके से सबसे बड़ी रकम उन उत्पादकों को मिल सकती है, जिनकी आय या बाजार तक पहुंच को सबसे ज्यादा चोट पहुंची। वाइन उद्योग से जुड़े उत्पादकों सहित निर्यात पर निर्भर फसलों के उत्पादकों को यह योजना अल्पकालिक नकद सहायता दे सकती है, ताकि वे बाधित व्यापार संबंधों के असर से निपट सकें।